

जनवरी-जून 2026

अंक : 11



बीएनआर हिंदी ई-पत्रिका



दक्षिण पूर्व रेलवे
SOUTH EASTERN RAILWAY

राजभाषा संगठन की महत्वपूर्ण गतिविधियां

- मुख्यालय में दिनांक 21.01.26 को राजभाषा विभाग द्वारा स्वरचित कविता पाठ का आयोजन किया गया जिसमें मुख्यालय के विभिन्न विभागों के कुल 08 कवियों द्वारा कविता पाठ किया गया।



- दिनांक 30.01.26 को क्षेत्रीय रेल राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक आयोजित की गई जिसमें मुख्यालय के समस्त प्रधान विभागाध्यक्ष सहित मंडलों के अपर मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं कारखाना के उप मुख्य राजभाषा अधिकारी वर्चुअल माध्यम से शामिल हुए। बैठक के दौरान बीएनआर हिंदी ई-पत्रिका के 10वें अंक का विमोचन किया गया तथा मुख्य विद्युत इंजीनियर (सामान्य) द्वारा सोलर पैनल पर एक पावर प्वाइंट की प्रस्तुति भी की गई।



- दिनांक 21.02.26 को राजभाषा विभाग में महाकवि सूर्यकांत त्रिपाठी निराला की जयंती मनाई गई जिसमें उनके व्यक्तित्व और कृतित्व पर चर्चा की गई और साथ ही, मातृभाषा को संरक्षित करने तथा भाषायी विविधता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 'अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस' भी मनाया गया।

- दिनांक 13.03.26 को हिंदी के प्रख्यात साहित्यकार फणीश्वर नाथ रेणु और सुप्रसिद्ध कवि, कथाकार और चिंतक अज्ञेय की जयंती मनाई गई जिसमें उनके व्यक्तित्व और कृतित्व पर चर्चा की गई और अज्ञेय की कविताओं का पाठ भी किया गया। इस दौरान एक कार्यशाला भी आयोजित की गई जिसमें विभिन्न विभागों के कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।



- दिनांक 26.03.26 को राजभाषा विभाग में छायावाद की प्रमुख कवयित्री महादेवी वर्मा की जयंती मनाई गई जिसमें उनके व्यक्तित्व और कृतित्व पर चर्चा की गई।
- दिनांक 16.04.26 को राजभाषा विभाग द्वारा डा. भीमराव अम्बेडकर जयंती के अवसर पर 'संविधान एवं राजभाषा' विषय पर एक क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें विभिन्न विभागों के कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।



- दिनांक 14.05.26 को क्षेत्रीय रेल राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक आयोजित की गई जिसमें मुख्यालय के समस्त प्रधान विभागाध्यक्ष सहित मंडलों

के अपर मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं कारखाना के उप मुख्य राजभाषा अधिकारी वर्चुअल माध्यम से शामिल हुए। बैठक के दौरान अपर मुख्य चिकित्सा निदेशक द्वारा 'मधुमेह से जुड़े मिथक एवं भ्रांतियों' पर एक पावर प्वाइंट की प्रस्तुति भी की गई।



- दिनांक 22.05.26 को संरक्षा विभाग के सभी फाइलों/रजिस्ट्रों एवं उपस्थिति पंजिकाओं का द्विभाषीकरण किया गया तथा कुल 08 कर्मचारियों को हिंदी में काम करने के लिए टेबल ट्रेनिंग भी दी गई।
- दिनांक 23.06.26 को एक अर्ध दिवसीय हिंदी कार्यशाला आयोजित की गई जिसमें उप महाप्रबंधक (राजभाषा), पूर्व रेलवे द्वारा विभिन्न विभागों के कुल 23 कर्मचारियों को हिंदी में काम करने का प्रशिक्षण दिया गया।



- दिनांक 30.06.26 को मुख्यालय में राजभाषा विभाग में प्रगतिशील विचारधारा के हिंदी साहित्यकार नागार्जुन की जयंती मनाई गई जिसमें उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर चर्चा की गई।
- चक्रधरपुर मंडल में दिनांक 05.02.26 को प्रसिद्ध कवि एवं आलोचक जानकी वल्लभ शास्त्री की जयंती मनाई गई जिसमें मंडल के विभिन्न विभागों के कर्मचारियों द्वारा उनकी रचनाओं पर चर्चा की गई।

दिनांक 22.04.26 को मंडल राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान हिंदी में प्रसंशनीय कार्य करने वाले एक अनुभाग को राजभाषा रनिंग ट्रॉफी प्रदान की गई। दिनांक 20.05.26 को हिंदी साहित्य के सुकुमार कवि सुमित्रा नंदन पंत जी की जयंती मनाई गई जिसमें उनके व्यक्तित्व और कृतित्व पर चर्चा की गई। इसके अलावा, मंडल की ई पत्रिका 'राजभाषा दर्पण' का भी प्रकाशन किया गया।

- आद्रा मंडल में छमाही के दौरान कुल 07 कार्यशालाएं आयोजित की गई जिसमें कुल 128 कर्मचारियों को हिंदी में काम करने के लिए प्रशिक्षित किया गया।
- रांची मंडल में दिनांक 25.02.26 को मंडल राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान मंडल रेल प्रबंधक द्वारा राजभाषा समाचार ई-बुलेटिन 'रांची रेल दर्पण' के 27वें अंक का विमोचन किया गया। दिनांक 16.03.26 को रांची स्टेशन पर एक हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें कुल 17 कर्मचारियों को हिंदी में कार्य करने का प्रशिक्षण दिया गया।
- खड़गपुर मंडल में जनवरी से मार्च तक 10 संरक्षा संगोष्ठियां हिंदी में आयोजित की गई तथा दिनांक 26.03.26 को महाप्रबंधक महोदय द्वारा खड़गपुर मंडल की पत्रिका 'विरासत की नींव और आधुनिकता की उड़ान' का विमोचन किया गया।
- खड़गपुर कारखाना में दिनांक 24.06.26 को केन्द्रीय कारखाना राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान राजभाषा नियम 1976 पर एक पीपीटी की प्रस्तुति भी की गई और साथ ही साथ हिंदी के साम्यवादी कवि नागार्जुन की जयंती भी मनाई गई।

“राष्ट्रीय व्यवहार में हिन्दी को काम में लाना देश की एकता और उन्नति के लिए आवश्यक है।”

- महात्मा गांधी

दक्षिण पूर्व रेलवे की अन्य महत्वपूर्ण गतिविधियां

- माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने दिनांक 18.01.2026 को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए सिंगुर से तीन नई अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनों को हरी झंडी दिखाई। ये अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनें सांतरागाछी-तांबरम, हावड़ा-आनंद विहार और सियालदह-बनारस के बीच चलेंगी। माननीय प्रधानमंत्री ने जयरामबाटी और मैनापुर (15 किमी) के बीच एक नई रेल लाइन का भी उद्घाटन किया। तीन नई अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनों के उद्घाटन कार्यक्रम के दौरान संतरागाछी स्टेशन पर रेल राज्य मंत्री श्री रवनीत सिंह, रेलवे बोर्ड के चेयरमैन और सीईओ श्री सतीश कुमार, दक्षिण पूर्व रेलवे के महाप्रबंधक श्री अनिल कुमार मिश्रा, खड़गपुर के मंडल रेल प्रबंधक श्री ललित मोहन पांडे और अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे।



- दक्षिण पूर्व रेलवे, मुख्यालय, गार्डनरीच में 77वां गणतंत्र दिवस बहुत उत्साह के साथ मनाया गया। महाप्रबंधक श्री अनिल कुमार मिश्रा ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया और रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ), सिविल डिफेंस, सेंट जॉन एम्बुलेंस और दक्षिण पूर्व रेलवे भारत स्काउट्स एंड गाइड्स की टुकड़ियों द्वारा प्रस्तुत औपचारिक परेड की सलामी ली। हाल के समय में दपूरे की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए, महाप्रबंधक ने कहा कि दक्षिण पूर्व रेलवे, जिसे 'ब्लू चिप रेलवे' के नाम से भी जाना जाता है, भारतीय रेलवे के सबसे ज्यादा माल ढुलाई (फ्रेट लोडिंग) वाले शीर्ष तीन जोन में शामिल है। अप्रैल से दिसंबर 2025 की अवधि के दौरान, दपूरे ने 153 मिलियन टन माल की

लोडिंग की जो प्रशंसनीय थी और इस अवधि में माल ढुलाई से होने वाली आय 13,432 करोड़ रही। उन्होंने यह भी बताया कि परिचालन क्षमता बढ़ाने के लिए, इस साल अब तक 55 किलोमीटर की दोहरी/तीसरी लाइन का काम पूरा कर लिया गया है। यात्रियों की सुविधाओं के लिए, अब तक अलग-अलग स्टेशनों पर 80 लिफ्ट और 43 एस्केलेटर लगाए गए हैं। चालू वित्त वर्ष के दौरान, यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ की निकासी के लिए 1104 स्पेशल ट्रेनें चलाई गईं। दपूरे ने चालू वित्त वर्ष में 9 रोड ओवर ब्रिज और 18 सब-वे बनाने का काम पूरा कर लिया है। उन्होंने बताया कि अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत दपूरे के 72 स्टेशनों का विकास किया जा रहा है। दक्षिण पूर्व रेलवे के अलग-अलग स्टेशनों पर 'वन स्टेशन वन प्रोडक्ट' योजना के तहत 124 स्टॉल और 45 ट्रॉली चालू की गई हैं। रेलवे सुरक्षा बल की विशेष प्रयासों का उल्लेख करते हुए, महाप्रबंधक ने बताया कि 'ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते' अभियान चलाया जा रहा



है। रेलवे सुरक्षा बल कर्मचारियों ने 'ऑपरेशन जीवन रक्षा' के तहत अपनी जान जोखिम में डालकर 16 पुरुष और 14 महिला यात्रियों की जान बचाई। उन्होंने गणतंत्र दिवस के मौके पर दपूरे के सभी कर्मचारियों और उनके परिवारों को शुभकामनाएं दीं। इस मौके पर देशभक्ति की थीम पर एक सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित की गई। यह कार्यक्रम मुख्यालय की सांस्कृतिक टीम और दपूरे भारत स्काउट्स एंड गाइड्स के सदस्यों ने प्रस्तुत किया। इसके अलावा खड़गपुर, आद्रा, चक्रधरपुर और रांची स्थित मंडल कार्यालयों में भी गणतंत्र दिवस मनाया गया।

- दिनांक 18.02.2026 को खड़गपुर और आद्रा मंडल के माननीय सांसदों (लोक सभा की मंडल समिति) ने कोलकाता में दक्षिण पूर्व रेलवे के महाप्रबंधक श्री अनिल कुमार मिश्रा के साथ एक बैठक की। मंडल



समिति की इस बैठक की अध्यक्षता माननीय सांसद श्री शत्रुघ्न प्रसाद सिन्हा ने की। महाप्रबंधक श्री अनिल कुमार मिश्रा ने माननीय सांसदों का स्वागत किया और उनके लगातार सहयोग और समर्थन के लिए उन्हें धन्यवाद दिया। उन्होंने माननीय सांसदों को चालू वित्त वर्ष में माल ढुलाई और यात्री सेवा, दोनों क्षेत्रों में दक्षिण पूर्व रेलवे के कामकाज के बारे में जानकारी दी। उन्होंने यात्रियों की सुविधाओं से जुड़े उन कार्यों और सेवाओं का भी उल्लेख किया जो दक्षिण पूर्व रेलवे की ओर से दी जा रही थीं। इस सत्र के दौरान, माननीय सांसदों ने यात्रियों की सुविधा के लिए ट्रेन सेवाओं, ठहराव, साफ़-सफ़ाई और रेलवे परियोजनाओं को तेजी से पूरा करने जैसे कई मुद्दों पर रेलवे अधिकारियों को सलाह दी। उन्होंने नई ट्रेनें चलाने, मौजूदा ट्रेनों के

लिए नए स्टॉपेज बनाने, स्टेशनों पर यात्रियों के लिए सुविधाएँ देने और ट्रेनों के समय पर चलने जैसी माँगें रखीं। नई लाइनें बनाने और उन्हें पूरा करने, रोड ओवरब्रिज और अंडरपास बनाने, ट्रेनों की संख्या बढ़ाने, सेवा का विस्तार करने और स्टेशनों को अपग्रेड करने जैसे विषयों पर चर्चा हुई। उन्होंने खड़गपुर और आद्रा मंडल में रेलवे आधारभूत संरचना के विकास के लिए भी अपने बहुमूल्य सुझाव दिए। महाप्रबंधक ने कहा कि यात्रियों की सुविधाओं और रेलवे आधारभूत संरचना के विकास के लिए माननीय सांसदों द्वारा दिए गए सुझावों पर बहुत गंभीरता से विचार किया जाएगा। माननीय सांसदों ने दपूरे के कामकाज की सराहना की और रेलवे के सुचारू संचालन में सहयोग का भरोसा दिलाया। इस बैठक में श्री ललित मोहन पांडे, मंडल रेल प्रबंधक/खड़गपुर, श्री मुकेश गुप्ता, मंडल रेल प्रबंधक/आद्रा, श्री सौमित्र मजूमदार, अपर महाप्रबंधक और विभागों के प्रधान मुख्य विभागाध्यक्ष भी शामिल हुए।



- मुख्यालय, गार्डनरीच में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया। इस कार्यक्रम में महाप्रबंधक श्री अनिल कुमार मिश्रा मुख्य अतिथि थे। इस मौके पर अपर महाप्रबंधक श्री सौमित्र मजूमदार, विभागों के प्रधान मुख्य विभागाध्यक्ष और अलग-अलग विभागों की महिला कर्मचारी मौजूद थीं। डॉ. महुआ वर्मा, प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी ने कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम में दपूरे की 53 महिला कर्मचारियों को उनके काम में बेहतरीन योगदान के लिए सम्मानित किया गया। इस साल अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 2026 की

थीम है – “गिव टू गेन”। श्री अनिल कुमार मिश्रा, महाप्रबंधक ने पूरे दक्षिण पूर्व रेलवे में सेवारत लगभग 7,603 महिला कर्मचारियों के प्रदर्शन की सराहना की। उन्होंने पुरस्कार विजेताओं की उनके समर्पण, ईमानदारी और कड़ी मेहनत के लिए भी प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस महिलाओं की सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक उपलब्धियों का जश्न मनाने का अवसर है। इस अवसर पर मुख्यालय की सांस्कृतिक टीम द्वारा एक सुंदर सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया।



- प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम बंगाल के कोलकाता में 18,700 करोड़ रुपये के विभिन्न विकास कार्यों का शिलान्यास और उद्घाटन किया। इन पहलों से कनेक्टिविटी बढ़ेगी और लोगों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार होगा। आज पूरे देश में रेलवे को आधुनिक बनाने के लिए जोरदार अभियान चल रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि हमारा संकल्प है कि पश्चिम बंगाल इस अभियान में पीछे न रहे। इसीलिए केंद्र सरकार पश्चिम बंगाल में भी तेजी से रेलवे आधारभूत संरचना का विस्तार कर रही है। कोलकाता और हल्दिया जैसे बंदरगाह लंबे समय से पूर्वी भारत में



व्यापार के प्रमुख केंद्र रहे हैं; हल्दिया डॉक कॉम्प्लेक्स का मशीनीकरण किया जा रहा है। इससे कार्गो ऑपरेशन की गति बढ़ेगी, बंदरगाह की क्षमता में वृद्धि होगी और व्यापार के लिए नई सुविधाएं मिलेंगी।

- दक्षिण पूर्व रेलवे के मुख्यालय, गार्डनरीच में भारत रत्न डॉ. बी. आर. अंबेडकर की जयंती मनाई गई। महाप्रबंधक श्री अनिल कुमार जैन ने डॉ. बी. आर. अंबेडकर की तस्वीर पर माल्यार्पण किया और इस महान दूरदर्शी व्यक्ति को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस गरिमापूर्ण समारोह के दौरान श्री सौमित्र मजूमदार, अपर महाप्रबंधक, श्री एम.के. प्रसाद, प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी, विभागों के प्रधान मुख्य विभागाध्यक्ष, वरिष्ठ अधिकारियों और कर्मचारियों ने भी भारतीय संविधान के जनक डॉ. बी.आर. अंबेडकर को सम्मानपूर्वक श्रद्धांजलि अर्पित की। एससी/एसटी तथा विभिन्न संघों के प्रतिनिधियों ने भी पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।



- महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, पोषण के नतीजों को समग्र रूप से बेहतर बनाने के लिए प्रतिवर्ष अलग-अलग संबंधित पक्षों के साथ मिलकर 'पोषण पखवाड़ा' मनाता है। पोषण पखवाड़े का 8वां संस्करण पूरे देश में 9 अप्रैल से 23 अप्रैल 2026 तक मनाया गया। इसके अलावा, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा 24 मार्च 2026 को शुरू किए गए 'टीबी मुक्त भारत -100 दिवसीय अभियान' इसकी विशेष गतिविधि रही, जिसका उद्देश्य टीबी को खत्म करने की प्रयासों को तेज करना है। चिकित्सा विभाग द्वारा दिनांक 19.04.2026 को गार्डनरीच, में

एक जागरूकता वॉकथॉन सफलतापूर्वक आयोजित की गई। इस वॉकथॉन की शुरुआत महाप्रबंधक श्री अनिल कुमार जैन ने श्रीमती अंजना मल्होत्रा, प्रधान मुख्य चिकित्सा निदेशक और अन्य प्रधान मुख्य विभागाध्यक्ष के साथ मिलकर की। इस कार्यक्रम में अधिकारियों, कर्मचारियों के साथ भारत स्काउट्स एंड गाइड्स (बीएसजी), सेंट जॉन एम्बुलेंस ब्रिगेड (एसजेएबी) और एसईआरएसए के प्रतिनिधियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और पोषण तथा स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए अपनी सामूहिक प्रतिबद्धता दिखाई। वॉकथॉन के दौरान, अलग-अलग जगहों पर दो नुक्कड़ नाटक किए गए और इन नाटकों में पोषण और टीबी के बारे में जागरूकता फैलाने वाले मुख्य संदेशों पर ध्यान दिया गया, जिससे लोगों ने इसमें बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। 8 मार्च 2018 को शुरू किया गया पोषण अभियान (राष्ट्रीय पोषण मिशन) भारत सरकार का एक प्रमुख कार्यक्रम है जिसका उद्देश्य व्यापक और टेक्नोलॉजी-आधारित तरीके से बच्चों, गर्भवती महिलाओं और स्तनपान कराने वाली माताओं के पोषण के स्तर में सुधार करना है।



- दिनांक 05.06.2026 को मुख्यालय, गार्डनरीच में विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया। विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में, 15 मई से 5 जून, 2026 तक प्लास्टिक-मुक्त अभियान चलाया गया। इस अभियान का उद्देश्य इस वर्ष की थीम 'जलवायु परिवर्तन' को बढ़ावा देना है, जिसमें प्लास्टिक कचरे को कम करने और टिकाऊ तौर-तरीकों को अपनाने

के महत्व पर जोर दिया गया है। विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर, महाप्रबंधक श्री अनिल कुमार जैन ने गार्डनरीच की नॉर्थ कॉलोनी में पौधे लगाए। उन्होंने



प्लास्टिक प्रदूषण को कम करने और सतत भविष्य को बढ़ावा देने में व्यक्तिगत प्रयासों के महत्व पर जोर दिया। सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने बताया कि भारत में 2025 के दौरान जलवायु परिवर्तन के कारण लगभग 1.74 लाख हेक्टेयर फसलें बर्बाद हो गईं। प्लास्टिक कचरा लगभग 41.4 लाख टन तक पहुँच गया है और ई-कचरा भी दिन-प्रतिदिन बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि यह चिंताजनक है और इसका असर आने वाली पीढ़ी पर पड़ेगा। श्री जैन ने इस अभियान को सफलतापूर्वक आयोजित करने और इसे सफल बनाने के लिए ईएनएचएम टीम को बधाई दी। दफ्तर भारत स्काउट्स एंड गाइड्स के सदस्यों ने पेड़ लगाने, प्लास्टिक का इस्तेमाल न करने और पर्यावरण की सुरक्षा के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए नुक्कड़ नाटक भी किए। इस अभियान का समापन ड्राइंग और निबंध प्रतियोगिता के पुरस्कार वितरण समारोह के साथ हुआ।



- दक्षिण पूर्व रेलवे ने दिनांक 21.06.2026 को 12वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस-2026 बड़े उत्साह के साथ मनाया। इस वर्ष के अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की थीम 'योगा फॉर हेल्दी एजिंग' है। श्री अनिल कुमार जैन, महाप्रबंधक एवं मुख्य अतिथि ने मुख्यालय, गार्डनरीच के बीएनआर इनडोर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में दीप जलाकर योग सत्र का उद्घाटन किया। इस मौके पर सभी विभागों के प्रधान मुख्य विभागाध्यक्ष और अन्य अधिकारी भी मौजूद थे। मुख्यालय में आयोजित योग सत्र में 'द आर्ट ऑफ़ लिविंग, कोलकाता सेंटर' के एक्सपर्ट योग इंस्ट्रक्टर ने अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा किए गए कॉमन योग प्रोटोकॉल (सीवाईपी) का संचालन किया। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर माननीय प्रधानमंत्री के संबोधन की लाइव स्ट्रीमिंग की गई। दपूरे के सभी मंडलों - खड़गपुर, आद्रा, चक्रधरपुर और रांची में भी अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया।



- महाप्रबंधक श्री अनिल कुमार जैन की अध्यक्षता में दिनांक 17.06.2026 को कोलकाता में क्षेत्रीय रेलवे उपयोगकर्ता सलाहकार समिति (जेडआरयूसीसी) की 106वीं बैठक आयोजित की गई। जेडआरयूसीसी की बैठक में कुल 24 माननीय सदस्यों ने भाग लिया।



श्री अनिल कुमार जैन, महाप्रबंधक ने माननीय सदस्यों को दपूरे की वर्तमान उपलब्धियों और विकास कार्यों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने यात्री सुविधाओं से जुड़ी पहलों, निर्माण कार्य की प्रगति, सुरक्षा उपायों में सुधार, माल ढुलाई में बढ़ोतरी और अमृत स्टेशन योजना के तहत स्टेशन के पुनर्विकास आदि के बारे में बताया। माननीय सदस्यों ने दक्षिण पूर्व रेलवे द्वारा किए गए विकास कार्यों की सराहना करते हुए ट्रेन सेवाओं, यात्री सुविधाओं और बेहतर कनेक्टिविटी में और सुधार के लिए अपने बहुमूल्य सुझाव दिए। सदस्यों के सुझावों और मांगों में ट्रेन सेवाओं में समय की पाबंदी, ट्रेन रूट का विस्तार, ट्रेनों के अतिरिक्त स्टॉपेज, ट्रेनों की संख्या बढ़ाना और नए हॉल्ट स्टेशन बनाना आदि शामिल थे। उन्होंने स्टेशनों पर यात्रियों के लिए और अधिक सुविधाएं जैसे लिफ्ट, एस्केलेटर, शौचालय, प्लेटफॉर्म शेड और रैंप आदि की आवश्यकता का भी उल्लेख किया। श्री अनिल कुमार जैन, महाप्रबंधक ने अपने संबोधन में कहा कि माननीय सदस्यों के सुझावों और मांगों को पूरा महत्व दिया जाएगा। उन्होंने रेलवे परियोजनाओं को तेजी से लागू करने के लिए माननीय सदस्यों के सहयोग की ज़रूरत पर भी बात की। बैठक में दक्षिण-पूर्व रेलवे के सभी विभागों के प्रधान मुख्य विभागाध्यक्ष शामिल थे।

“मैं दुनिया की सब भाषाओं की इज्जत करता हूँ, परंतु मेरे देश में हिंदी की इज्जत न हो, यह मैं नहीं सह सकता।”

- विनोबा भावे

सपनों की उड़ान

राजेश कुमार सिन्हा

पुस्तकालयाध्यक्ष/बंकिम चंद्र पुस्तकालय/गार्डनरीच

यह कहानी 'ऋषिता' नाम की एक बेहद चुलबुली और हंसमुख लड़की की है। वह अपने घर में सबकी लाडली थी और स्कूल में भी शिक्षक और दोस्त उसे बहुत पसंद करते थे।

एक दिन स्कूल में सभी बच्चे इस बात पर चर्चा कर रहे थे कि बड़े होकर वे क्या बनना चाहते हैं। किसी ने कहा डॉक्टर, किसी ने इंजीनियर तो किसी ने पायलट बनने की इच्छा जताई। जब ऋषिता से पूछा गया, 'चंचल, तुम बड़ी होकर क्या बनोगी?' तो उसने पूरे आत्मविश्वास के साथ जवाब दिया— 'मैं एक पेंटर बनूंगी।'

उसका यह जवाब सुनकर पूरी क्लास के बच्चे जोर-जोर से हंसने लगे। बच्चों को लगा कि पेंटर बनना भी कोई करियर है? उस दिन के बाद से स्कूल के दोस्त अक्सर उसे चिढ़ाते हुए कहते, 'देखो-देखो, पेंटर मैम आ रही हैं।'

समय बीतता गया और ऋषिता ने स्कूल की पढ़ाई पूरी कर ली। उसके बाकी दोस्त अलग-अलग प्रोफेशनल कोर्सेज की तैयारी में लग गए, लेकिन चंचल का सपना आज भी वही था। एक दिन उसके पिता ने उससे पूछा, 'बेटा, आगे क्या करने का सोचा है?' ऋषिता ने सहमते हुए अपनी कला (पेंटिंग) के प्रति अपनी रुचि की बात कही।

पिता ने उसे समझाया, 'बेटा, शौक अपनी जगह ठीक है, लेकिन पेंटिंग से घर नहीं चलता। तुम्हें कोई ऐसी पढ़ाई करनी चाहिए जिससे तुम्हारा भविष्य सुरक्षित हो।' समाज के दबाव और परिवार की चिंता को देखते हुए ऋषिता ने मन मारकर एक सामान्य कॉलेज में एडमिशन तो ले लिया, लेकिन उसका मन हमेशा रंगों और कैनवास में ही अटका रहता था।

ऋषिता कॉलेज की पढ़ाई के साथ-साथ छुप-छुपकर अपनी पेंटिंग्स बनाती रही। वह रात-रात भर जागकर अपने सपनों को कैनवास पर उतारती। उसे विश्वास था कि उसकी कला में दम है। एक दिन कॉलेज में एक राज्य-स्तरीय चित्रकला प्रतियोगिता की घोषणा हुई।

ऋषिता ने इसमें भाग लेने का फैसला किया। उसने कई दिनों की कड़ी मेहनत के बाद एक ऐसी पेंटिंग बनाई जिसमें एक लड़की को पिंजरे से निकलकर खुले आसमान में उड़ते हुए दिखाया गया था। यह पेंटिंग सिर्फ एक चित्र नहीं था, बल्कि ऋषिता के अपने संघर्ष और उसके सपनों की जीती-जागती कहानी थी।

प्रतियोगिता के परिणाम का दिन आया। मुख्य अतिथि ने जैसे ही प्रथम पुरस्कार के विजेता के नाम की घोषणा की, पूरा हॉल तालियों से गूंज उठा। विजेता कोई और नहीं, बल्कि ऋषिता थी। उसकी पेंटिंग को न केवल पहला स्थान मिला, बल्कि वहां आए एक बड़े आर्ट गैलरी के मालिक ने उसकी कला को पहचानते हुए उसे अपनी गैलरी में एकल प्रदर्शनी लगाने का मौका दिया।

कुछ ही समय में ऋषिता की पेंटिंग्स देश-विदेश में बिकने लगीं। जो लोग कभी उसका मजाक उड़ाते थे, आज वे उसकी सफलता की मिसाल दे रहे थे। ऋषिता ने साबित कर दिया कि सपने चाहे जो भी हों, अगर उन्हें पूरा करने का हौसला और दृढ़ संकल्प हो, तो उड़ान ऊंची और बेहद खूबसूरत होती है।

“हिन्दी हमारे राष्ट्र की अभिव्यक्ति का सरलतम स्रोत है।”

- सुमित्रानंदन पंत

ख्वाहिशें

शशिकान्त मंडल

मुख्य विधि सहायक/विधि/गार्डनरीच

पाँव है धरती पर, मगर ख्वाहिशें हैं आसमान में !

कितना कुछ मुफ्त का चाहिए सबको सामान में !

रहता है सिर्फ एक ही कमरे में आदमी

उसका गुरुर बसता है बाकी मकान में !

फर्क मिट रहा है यारों सच और झूठ का

अंतर न दिख रहा ईमानदार और बेईमान में !

कौन साधू कौन चोर, पहचानना यहाँ मुश्किल !

यहाँ सब घूमते एक ही परिधान में ।

कुछ भी कहिए आप , मगर इक बात तो तय है

जाएंगे सभी एक ही बांस के विमान में ।

सब कुछ धरा का धरा पर धरा ही रह जाएगा

राख ही राख बच जाएगा बस श्मशान में ।

स्मृतियाँ

संजय प्रसाद

वरिष्ठ अनुवादक/गार्डनरीच

स्मृतियाँ समय की धूल नहीं

जो हवाओं में बिखर जाए,

वे मन की आकाश में

ध्रुवतारे सी अटल रहती है ।

जब वर्तमान की धूप,

मन को झुलसा देती है,

स्मृतियाँ शीतल बयार बनकर

चुपके से दस्तक देती है ।

कभी मां की ममता,

कभी बचपन की किलकारी

तो कभी बिछड़े प्रिय की

अनकही आहट बनकर ।

स्मृतियाँ समय की धारा में

बहकर विलीन नहीं होती,

वे हृदय के एकांत में

दीपशिखा-सी जलती रहती है,

और हर अंधेरे क्षण में

जीवन को आलोकित करती है ।

मशाल

कामेश्वर पाण्डेय

पूर्व राजभाषा अधिकारी/हावड़ा मंडल/पूर्व रेलवे

अंधेरी निशा में नदी के किनारे

धधकती किसी की चिता जल रही है ।

गगन रो रहा है, जमीं रो रही है

धधकती किसी की चिता जल रही है ।

दानवीय लपटों में मानवीय काया,

जमाने से लड़कर विदा हो रही है ।

न जाने कितनी चिताएं जली हैं

गिनती भी इसकी कहीं पर नहीं है

धधकती किसी की चिता जल रही है ।



कुछ अपनों ने सजा दी है,

गैरों को तोहमत लगा भी रही है ।

न जाने कब तक चलेगा ये कारवाँ

कितने सपनों की समा बंध रही है ।

हाय रे दुनिया, न गिला न शिकवा

हसते हुए को रुला रही है

सिसकते सांसों में दफन होते सपने,

दुखों की हर पल समा बंध रही है

धधकती किसी की चिता जल रही है ।

स्वास्थ्य ही सबसे बड़ा धन

रमेश कुमार साहू

सहायक स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी/चिकित्सा/गार्डनरीच

प्राचीन काल से ही यह कहा जाता रहा है कि 'पहला सुख निरोगी काया'। वास्तव में, संसार का समस्त वैभव, धन-संपत्ति और भौतिक सुख-सुविधाएँ तभी सार्थक हैं, जब मनुष्य शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ हो। यदि शरीर स्वस्थ न हो तो जीवन की सबसे बड़ी उपलब्धियाँ भी आनंद नहीं दे पातीं। इसलिए स्वास्थ्य को ही सबसे बड़ा धन कहा गया है।

आज के आधुनिक युग में मनुष्य सुविधाओं से घिरा हुआ है, लेकिन जीवनशैली में आए बदलावों ने अनेक नई स्वास्थ्य समस्याओं को जन्म दिया है। अनियमित दिनचर्या, असंतुलित खान-पान, तनाव, शारीरिक श्रम की कमी और बढ़ती प्रतिस्पर्धा के कारण मधुमेह, उच्च रक्तचाप, हृदय रोग और मोटापा जैसी समस्याएँ तेजी से बढ़ रही हैं। ऐसे में स्वास्थ्य के प्रति सजग रहना समय की आवश्यकता बन गया है।

स्वस्थ रहने के लिए किसी विशेष साधन या अत्यधिक खर्च की आवश्यकता नहीं होती। संतुलित भोजन, नियमित व्यायाम, पर्याप्त नींद और सकारात्मक सोच ही अच्छे स्वास्थ्य की आधारशिला हैं। हमारे दैनिक जीवन की छोटी-छोटी आदतें ही हमारे भविष्य के स्वास्थ्य का निर्धारण करती हैं। समय पर भोजन करना, ताजे फल और हरी सब्जियों का सेवन, पर्याप्त मात्रा में पानी पीना तथा नियमित रूप से योग और व्यायाम करना शरीर को स्वस्थ बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

शारीरिक स्वास्थ्य के साथ-साथ मानसिक स्वास्थ्य भी उतना ही आवश्यक है। आज तनाव और चिंता जीवन का अभिन्न हिस्सा बनते जा रहे हैं। अत्यधिक व्यस्तता और भागदौड़ के बीच मनुष्य स्वयं के लिए समय निकालना भूलता जा रहा है। परिणामस्वरूप अवसाद, अनिद्रा और मानसिक थकान जैसी समस्याएँ बढ़ रही हैं। ऐसे में परिवार के साथ समय बिताना, संगीत सुनना, पुस्तकें पढ़ना, ध्यान और योग करना मानसिक शांति प्रदान करते हैं।

कोविड-19 महामारी ने पूरी दुनिया को यह सिखाया कि स्वास्थ्य से बढ़कर कोई संपत्ति नहीं है। उस कठिन समय में यह अनुभव हुआ कि धन, पद और प्रतिष्ठा सब कुछ होते हुए भी यदि स्वास्थ्य साथ न दे तो जीवन कठिन हो जाता है। वहीं एक स्वस्थ व्यक्ति सीमित संसाधनों में भी प्रसन्न और संतुष्ट रह सकता है।

वर्तमान समय में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना अत्यंत आवश्यक है। नियमित स्वास्थ्य परीक्षण, स्वच्छता, संतुलित जीवनशैली और नशामुक्त जीवन अपनाकर अनेक बीमारियों से बचा

जा सकता है। साथ ही, स्वस्थ समाज के निर्माण के लिए यह भी आवश्यक है कि हम दूसरों को भी स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करें। वास्तव में, स्वास्थ्य केवल रोगों का अभाव नहीं, बल्कि शारीरिक, मानसिक और सामाजिक रूप से पूर्णतः स्वस्थ रहने की स्थिति है। धन-संपत्ति, पद और प्रतिष्ठा समय के साथ प्राप्त किए जा सकते हैं, लेकिन खोया हुआ स्वास्थ्य पुनः प्राप्त करना हमेशा आसान नहीं होता। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति का पहला कर्तव्य अपने स्वास्थ्य की रक्षा करना होना चाहिए।

निस्संदेह, स्वास्थ्य ही वह अमूल्य संपदा है, जिसके सामने संसार का समस्त वैभव भी फीका पड़ जाता है। इसलिए सही मायनों में 'स्वास्थ्य ही सबसे बड़ा धन' है।

बीएनआर हिंदी ई-पत्रिका (अंक-11)

जनवरी 2026—जून 2026

संरक्षक

अनिल कुमार जैन

महाप्रबंधक

प्रधान संपादक

अनिल कुमार

मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं

मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (निर्माण)/आरएसपी

कार्यकारी संपादक

अविनाश कुमार पाण्डेय

उप महाप्रबंधक (राजभाषा)

संपादक

रीता कायम

राजभाषा अधिकारी

उप संपादक

अभिषेक साव, कनिष्ठ अनुवादक

संपादन सहयोग

संजय प्रसाद, वरिष्ठ अनुवादक

शर्मिष्ठा खुटिया, टंकण अधीक्षक

फोटोग्राफी सहयोग

मुख्य जनसंपर्क अधिकारी का कार्यालय

दक्षिण पूर्व रेलवे द्वारा आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों की झलकियाँ

